<table>
<thead>
<tr>
<th>क्रमांक</th>
<th>विवरण</th>
<th>पृष्ठ क्रमांक</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>1</td>
<td>भूमिका और शोध प्रणालियाँ।</td>
<td>1–23</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>अध्याय–1</td>
<td>24–48</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>पंचायती राज व्यवस्था–उत्पत्ति एवं विकास।</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>अध्याय–2</td>
<td>49–88</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>(अ) अधिभाषित मध्यप्रदेश में पंचायती राज व्यवस्था।</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>(ब) म.प. पंचायती राज अधिनियम 1994 का विश्लेषण।</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>(र) छत्तीसगढ़ में पंचायती राज।</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td>अध्याय–3</td>
<td>89–113</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>महासमुंद जिले का संक्षिप्त परिचय, राजनीतिक पृष्ठभूमि।</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>5</td>
<td>अध्याय–4</td>
<td>114–126</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>पंचायती नेतृत्व की प्रकृति का विश्लेषण।</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>6</td>
<td>अध्याय–5</td>
<td>127–169</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>ग्राम पंचायतों में जनप्रतिनिधियों की भूमिका।</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>7</td>
<td>अध्याय–6</td>
<td>170–190</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>जनपद पंचायत में जनप्रतिनिधियों की भूमिका।</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>8</td>
<td>अध्याय–7</td>
<td>191–205</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>जिला पंचायत में जनप्रतिनिधियों की भूमिका।</td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>9</td>
<td>उपसंहार</td>
<td>206–225</td>
</tr>
<tr>
<td></td>
<td>पंचायती राज व्यवस्था के मार्ग की बाधाएं एवं उनके समाधान हेतु सुझाव।</td>
<td></td>
</tr>
</tbody>
</table>
परिशिष्ट

संदर्भ ग्रंथों की सूची
प्रतिवेदन
पत्रिकाएँ
समाचार पत्र
छत्तीसगढ़ के मानचित्र में महासमुंद जिला
जिला पंचायत महासमुंद के सदस्यों की सूची, 2005
जनपद पंचायत महासमुंद के सदस्यों की सूची, 2005
सरस्यों की सूची, 2005
महासमुंद जिले की भौगोलिक स्थिति का नक्शा (विकासखण्डवार)